छत्तीसगढ़ ने वन-क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 लॉन्च किया

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने **रायपुर में "वन-क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0" लॉन्च किया, इसे राज्य को सेमीकंडक्टर, AI, फार्मा, रक्षा और ग्रीन हाइड्रोजन** जैसे उभरते उद्योगों का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम बताया।

मुख्य बिंदु

- **वन-क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0:**
  - यह **ऑनलाइन आवेदन, विभागीय मंज़ूरी और सब्सिडी प्रसंस्करण को एकीकृत** करता है।
  - यह प्रणाली उद्योग स्थापित करने के लिये पारदर्शी और वास्तविक समय पर अनुमोदन सुनिश्चित करती है।
- **नई औद्योगिक नीति:**
  - छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में रोज़गार सृजन और आर्थिक समृद्धि को प्राथमिकता दी गई है।
  - 11 कंपनियों द्वारा प्रस्तुत 1.23 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों से 20,000 से अधिक युवा लाभान्वित होंगे।
  - एक सरकारी बयान के अनुसार, छत्तीसगढ़ को **5.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त** हुए।
    - **वित्त वर्ष 2025 में** भारत के कुल निवेश प्रवाह में राज्य **का योगदान 3.71% होगा ,** जो इसके बढ़ते औद्योगिक आकर्षण को दर्शाता है।
- **छत्तीसगढ़ राज्य लॉजिस्टिक्स नीति 2025:**
  - मुख्यमंत्री ने **छत्तीसगढ़ राज्य लॉजिस्टिक्स नीति 2025 को मंज़ूरी देने की भी घोषणा की**, जिसका उद्देश्य राज्य को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स हब बनाना है।
  - यह नीति वैश्विक और घरेलू लॉजिस्टिक्स कंपनियों को आकर्षित करेगी, **निर्यात बुनियादी ढाँचे में सुधार करेगी** और **उद्योगों और किसानों के लिये किफायती भंडारण सुनिश्चित करेगी।**
- **महत्त्व:**
  - **उन्नत औद्योगिक विकास: वन-क्लिक सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 निवेशकों को आकर्षित करना जारी रखेगा और औद्योगिक स्थापना प्रक्रिया में तेजी लाएगा, जिससे छत्तीसगढ़ की प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थिति मजबूत होगी।**
  - उभरते क्षेत्रों में निवेश: प्रमुख क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने पर केंद्रित प्रयास राज्य को भविष्योन्मुख अर्थव्यवस्था में बदलने में मदद करेंगे।
  - लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे का विकास: लॉजिस्टिक्स नीति राज्य की निर्यात क्षमताओं को महत्त्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे छत्तीसगढ़ भारत के लॉजिस्टिक्स पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्त्वपूर्ण राज्य बन जाएगा।
  - रोज़गार सृजन और आर्थिक समृद्धि: बड़े निवेश और बढ़ते औद्योगिक आधार के साथ, राज्य हज़ारों रोज़गार अवसरों का सृजन करेगा, जिससे इसके निवासियों के लिये आर्थिक समृद्धि आएगी।

हरित हाइड्रोजन

- हाइड्रोजन एक प्रमुख औद्योगिक ईंधन है, जिसका उपयोग अमोनिया (एक प्रमुख उर्वरक), इस्पात, रिफाइनरियों और विद्युत उत्पादन सहित **विभिन्न प्रकार के कार्यों** में किया जाता है।
- हालाँकि, अब निर्मित सभी हाइड्रोजन **को तथाकथित ब्लैक या ब्राउन** हाइड्रोजन कहा जाता है, क्योंकि वे कोयले से उत्पादित होते हैं।
- हाइड्रोजन **ब्रह्मांड में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है** । लेकिन शुद्ध, या मौलिक हाइड्रोजन, बहुत दुर्लभ है।
  - यह लगभग हमेशा ही ऑक्सीजन के साथ मिलकर जल बनाने वाले यौगिकों में मौजूद रहता है।
- लेकिन जब विद्युत धारा को पानी से गुजारा जाता है, तो **यह इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से इसे मौलिक ऑक्सीजन और हाइड्रोजन में विभाजित कर देता है।**

- और यदि इस प्रक्रिया के लिये उपयोग की जाने वाली बिजली **पवन या सौर जैसे नवीकरणीय स्रोत से प्राप्त होती है** तो इस प्रकार उत्पादित हाइड्रोजन को **ग्रीन हाइड्रोजन कहा जाता है**।

- हाइड्रोजन से जुड़े रंग हाइड्रोजन अणु को उत्पन्न करने के लिये प्रयुक्त विद्युत के स्रोत को इंगित करते हैं।
  - **उदाहरण के लिये, यदि कोयले का उपयोग किया जाता है, तो इसे ब्राउन हाइड्रोजन** कहा जाता है।

अर्द्धचालक (SEMICONDUCTORS)

अर्द्धचालक/सेमीकंडक्टर ऐसे पदार्थ हैं जिनकी प्रतिरोधकता या चालकता धातुओं तथा विद्युतरोधी पदार्थों के बीच की होती है

उदाहरण

- **तत्त्व:** सिलिकॉन और जर्मेनियम
- **यौगिक:** गैलियम आर्सेनाइड और कैडमियम सेलेनाइड

महत्त्व

- अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों के लिये आवश्यक - **एयरोस्पेस, ऑटोमोबाइल, संचार, स्वच्छ ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी और चिकित्सा उपकरण आदि।**

सेमीकंडक्टर और भारत

- **प्रमुख निर्यातक देश: चीन, ताइवान, अमेरिका** और **जापान**
- **भारत का सेमीकंडक्टर बाज़ार: वर्ष 2026 तक 55 अरब अमेरिकी डॉलर** तक पहुँचने की उम्मीद है

योजनाएँ	उद्देश्य
उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (PLI) योजना	देश में **सेमीकंडक्टर** और **डिस्प्ले विनिर्माण** को प्रोत्साहित करना।
डिज़ाइन संबद्ध प्रोत्साहन (DLI) योजना	सेमीकंडक्टर डिज़ाइन में >20 घरेलू कंपनियों का पोषण आगामी 5 वर्षों में > 1500 करोड़ रुपए का कारोबार हासिल करना
इलेक्ट्रॉनिक घटकों और अर्द्धचालकों के विनिर्माण हेतु प्रोत्साहन योजना (SPECS)	इलेक्ट्रॉनिक्स घटकों और अर्द्धचालकों का निर्माण

भारत सेमीकंडक्टर मिशन (ISM)

उद्देश्य

- **अर्द्धचालक, डिस्प्ले विनिर्माण** और **डिज़ाइन इकोसिस्टम** में निवेश करने वाली कंपनियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना

आरंभ

- 2021

नोडल मंत्रालय

- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

कुल वित्तीय परिव्यय

- 76,000 करोड़ रुपए

घटक

- भारत में सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करने के लिये योजना
- भारत में डिस्प्ले फैब स्थापित करने के लिये योजना
- भारत में कंपाउंड सेमीकंडक्टर्स/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर फैब और सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग एवं पैकेजिंग (ATMP)/OSAT सुविधाओं की स्थापना के लिये योजना
- DLI योजना

दृष्टि The Vision
Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chhattisgarh-launches-one-click-single-window-system-20